IX. निम्नलिखित दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखिए। [4]

1. कान भरना
2. किताबी कीड़ा
3. दुब दबाकर भागना
4. लाल-पीला होना

X. निम्नलिखित दिए गए वाक्यों में काल के भेद बताइए। [5]

(क) वर्षा हो रही है ।

(ख) दादाजी शाम को घूमने जाएँगे ।

(ग) बच्चा छत पर चढ़ गया ।

(घ) बंदर उछल-कूद कर रहे हैं ।

(ङ) रेलगाड़ी जा चुकी थी ।

XI. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन कीजिए : [6]

(क) बरसात में चारों तरफ हरियाली छाई रहती है।
(संज्ञा शब्द चुनकर भेद लिखें)

(ख) यह कौन की गेंद है । (वाक्य शुद्ध करके वाक्य दोबारा लिखें)

(ग) आज वे कक्षा की सफ़ाई करेंगे ।
(सर्वनाम शब्द चुनकर भेद लिखें)।

(घ) थाली में चावल डाल दो । (क्रिया का भेद बताएँ)

(ङ) बाहर चार लड़कियाँ खड़ी हैं । (विशेषण चुनकर भेद लिखें)

(च) श्रीमति, धरम (शब्द शुद्ध कर के लिखें)

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2018-2019

हिन्दी भाषा

कक्षा : V

समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

I. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। [15]

(क) त्योहार कितने प्रकार के होते हैं। आपको कौन-सा त्योहार पसंद है, आप उन्हें किस प्रकार मनाते हैं तथा क्यों ?

(ख) आप सभी नए विद्यालय में आए हैं। नए और पुराने विद्यालय भवन में क्या अंतर है ? आपको कौन-सा भवन अच्छा लगता है, और क्यों ?

II. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। [10]

(क) अपने चचेरे भाई के विवाह के लिए दो दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्या को प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

(ख) बहन के विवाह पर मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

III. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए :-

वरदराज नाम का एक बालक था। उसके पिता चाहते थे कि वरदराज पढ़-लिखकर विद्वान बने। उन्होंने उसे गुरु के पास पढ़ने के लिए आश्रम भेज दिया।

वरदराज का पढ़ने-लिखने में ज़रा भी मन नहीं लगता थ। गुरुजी

{Turn Over}

Downloaded From www.icseboard.org

अन्य शिष्यों के साथ उसे पढ़ाते, पर उसकी समझ में कुछ नहीं आता था। वह गुरु जी द्वारा सिखाया पाठ याद करने का प्रयास करता, पर उसे पाठ याद ही नहीं होता था। गुरु जी उसे समझाते, ''वरदराज, मेरी बातें ध्यान से सुना करो और उन्हें याद रखा करो।'' वरदराज चुपचाप गुरु जी की बातें सुनता रहता। वह कक्षा में कई बार अनुत्तीर्ण हुआ। दूसरे शिष्य उसका मजाक उड़ाते। वरदाज को लगे लगा कि पढ़ाई-लिखाई उसके बस की बात नहीं है। एक दिन गुरु जी ने उसे बुलाकर कहा, ''वरदराज, तुम अपने घर लौट जाओ और पिता के काम में उनकी सहायता करो।''

गुरु जी के कहने पर वरदराज अपना सामान समेटकर घर की ओर चल दिया। चलते-चलते उसे प्यास लगी। एक कुएँ पर कुछ स्त्रियाँ पानी भर रही थीं। वरदराज ने उनसे पानी पिलाने को कहा। तभी उसका ध्यान कुएँ की मुँडेर पर बने निशान की ओर गया। उसने एक स्त्री से पूछा, ''यह निशान कैसे बना?'' स्त्री ने उत्तर दिया, ''लगातार रस्सी की रगड़ लग-लगकर मुँडेर पर निशान बन गया है।

वरदराज की बुद्धि के दरवाजे खुल गए। उसके दिमाग में बिजली-सी कौंध गई। ''यदि एक रस्सी की रगड़ से पत्थर पर निशान पड़ सकता है तो क्या वह बार-बार अभ्यास करने से विद्या ग्रहण नहीं कर सकता।'' ऐसा सोचकर वह आश्रम की ओर लौट पड़ा। गुरु जी के जाकर उनके चरणों मे गिर पड़ा और बोला, ''गुरु जी, आप मुझे एक अवसर और दीजिए। आज से मैं खूब अभ्यास करूँगा और मन से परिश्रम करूँगा।''

सीख-अभ्यास द्वारा कार्य में सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है।

(क) वरदराज कौन था तथा उसके पिता क्या चाहते थे ? **[4]**

(ख) वरदराज के पिता ने उसे पढ़ने के लिए कहाँ भेजा ? **[2]**

(ग) गुरु जी ने वरदराज को समझाते हुए क्या कहा ? **[3]**

(घ) दूसरे शिष्य वरदराज का मजाक क्यों उड़ाते थे ? **[2]**

(ङ) वरदराज के बुद्धि के दरवाजे कैसे खुल गए ? **[4]**

(च) इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है ? **[2]**

IV. निम्नलिखित दिए गए पर्यायवाची शब्दों से दो-दो शब्द बनाइए। **[5]**

देवता, दूध, घर, राजा, चंद्रमा

V. निम्नलिखित दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- **[5]**

स्वस्थ, प्रेम, चंचल, दोषी, आस्तिक

VI. निम्नलिखित दिए गए अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए। **[4]**

1) वार 2) अर्थ 3) मुद्रा 4) कर

VII. निम्नलिखित दिए गए समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए। **[4]**

अनिल - नियत - प्रमाण - शाम -

अनल - नीयत - प्रणाम - श्याम -

VIII. निम्नलिखित दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए। **[5]**

1. गाँव में रहने वाला ।
2. पुराने जमाने का ।
3. जो मीठा बोलता हो ।
4. जिसने ऋण लिया हो ।
5. जो किसी काम में निपुण हो ।

{Turn Over}

Downloaded From www.lsseboard.org